सीसीई मॉडल टैस्ट पेपर–2

हिंदी : कोर्स 'ए'

द्वितीय सत्र (संकलित परीक्षा-II)

(अभ्यास के लिए)

कक्षा : दसवीं

समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 90*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं–'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

आज का कर्मक्षेत्र कठिन है, विविध है, निश्चित नहीं है। हमारा वर्तमान समाज जाति-उपजाति, समता-विषमता में विभाजित है। हमारा धर्म अंधविश्वास से ग्रसित है। हमारी राजनीति स्वार्थ में विभाजित है। हम केवल विभाजित ही विभाजित हैं। तब भी यह मैं विश्वास करती हूँ कि किसी युग का सबसे बड़ा निर्माण उसका विद्यार्थी है। किसी युग का सबसे बड़ा बसंत उसका तारुण्य है, उसकी नई पीढ़ी है। जब वह पराजित होती है तो सब कुछ पराजित हो जाता है, सब कुछ व्यर्थ हो जाता है। यदि आप निराश हों, आप कहें कि समाज में हमारा स्थान नहीं है, कर्मक्षेत्र में हमारा स्थान नहीं है, राजनीति में हमारा कोई स्थान नहीं है, तो मैं आपको यही उत्तर दूँगी कि आप स्थान बनाइए। कोई नदी जो हिमालय के हृदय से निकलती है, चाहे बड़ी या छोटी धारा में निकले, शिलाओं से वह मार्ग नहीं माँगती। क्या उसने कभी कहा कि घाट बनाइए, संगमरमर के, चाँदी या सोने के। उसने यह कभी नहीं कहा। वह शिलाओं को पार करती हुई अपने उच्छल वेग में सब पार करती हुई चलती है और उसका नियम है कि तट वह स्वयं बनाती है। इसी प्रकार प्रत्येक पीढ़ी अपना मार्ग आप बनाती है। लेकिन अपनी मर्यादा भी बनाती है, जो नदी समुद्र से हिमालय को जोड़ती है वह नदी मर्यादा भी बनाती है, वह नदी तट भी बनाती है, तट उसे बने बनाए नहीं मिलते।

1. आज का कर्मक्षेत्र कैसा है ? (1)

(क) कठिन (ख) विविध

(ग) अनिश्चित (घ) इन तीनों प्रकार का

2. हमारा धर्म किससे ग्रसित है ? (1)

(क) अंधविश्वास से (ख) राजनीति से

(ग) स्वार्थ से (घ) जातियों से

3. किसी युग का सबसे बड़ा निर्माण क्या है ? (1)

(क) उसका विद्यार्थी (ख) उसका समाज

(ग) उसका धर्म (घ) बसंत

4. नदी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? (1)

(क) अपना मार्ग स्वयं बनाइए (ख) अपने घाट स्वयं बनाइए

(ग) संगमरमर के घाट बनाइए (घ) मर्यादा में रहिए

5. नदी के तट कौन बनाता है ? (1)

(क) सागर (ख) पर्वत

(ग) नदी स्वयं (घ) हिमालय

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

देशप्रेम है क्या ? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलंबन क्या है ? सारा देश अर्थात् मनुष्य, पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन, पर्वत सहित सारी भूमि। यह प्रेम किस प्रकार का है ? यह साहचर्यगत प्रेम है। जिनके बीच हम रहते हैं, जिन्हें बराबर आँखों से देखते हैं, जिनकी बातें बराबर सुनते रहते हैं, जिनका हमारा हर घड़ी का साथ रहता है। सारांश यह है कि जिनके सान्निध्य का हमें अभ्यास पड़ जाता है, उनके प्रति लोभ या राग हो सकता है। देशप्रेम यदि वास्तव में अंत:करण का कोई भाव है तो यही हो सकता है। यदि यह नहीं है तो वह कोरी बकवाद या किसी और भाव के संकेत के लिए गढ़ा हुआ शब्द है।

यदि किसी को अपने देश से सचमुच प्रेम है तो उसे अपने देश के मनुष्य, पशु, पक्षी, लता, गुल्म, पेड़, पत्ते, वन, पर्वत, नदी, निर्झर आदि सबसे प्रेम होगा, वह सबको चाहभरी दृष्टि से देखेगा, वह सबकी सुध करके विदेश में आँसू बहाएगा। जो यह भी नहीं जानते कि कोयल किस चिड़िया का नाम है, जो यह भी नहीं सुनते कि चातक कहाँ चिल्लाता है, जो यह भी आँख भर नहीं देखते कि आम प्रणय-सौरभपूर्ण मंजरियों से कैसे लदे हुए हैं, जो यह भी नहीं झाँकते कि किसानों के झोपड़ों के भीतर क्या हो रहा है, वे यदि दस बने-ठने मित्रों के बीच प्रत्येक भारतवासी की औसत आमदनी का परता बताकर देशप्रेम का दावा करें तो उनसे पूछना चाहिए कि भाइयो ! बिना रूप-परिचय का यह प्रेम कैसा ?

1. देश प्रेम क्या है ? (1)

(क) व्यक्ति के साथ प्रेम (ख) सारे देश के साथ प्रेम

(ग) प्रकृति के साथ प्रेम (घ) लोगों के साथ प्रेम

2. देशप्रेम कैसा भाव है ? (1)

(क) अंत:करण का भाव (ख) देश का भाव

(ग) व्यक्ति का भाव (घ) दिखावे का भाव

3. देश से प्रेम करने वाला व्यक्ति किसे चाहभरी दृष्टि से देखेगा ? (1)

(क) देश के मनुष्यों को (ख) देश के पशु-पक्षियों को

(ग) देश के वन, पर्वत, नदी, झरनों को (घ) उपर्युक्त सभी को

4. सौरभपूर्ण मंजरियाँ किसमें लगती हैं ? (1)

(क) आम में (ख) अमरूद में

(ग) सेब में (घ) अनार में

5. देशप्रेम का दावा करने के लिए क्या आवश्यक है ? (1)

(क) पक्षियों की चहचहाहट (ख) देश के रूप का परिचय

(ग) चिड़ियों के नाम जानना (घ) किसानों की झोंपड़ी में जाना

अपठित काव्यांश

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन!
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ले देकर जीना, क्या जीना ?
कब तक गम के आँसू पीना ?

मानवता से सींचा तुझको
बहा युगों तक खून-पसीना।
कुछ न करेगा ? किया करेगा–
रे मनुष्य–बस कातर क्रंदन ?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन
'युद्धं देहि' कहे जब पामर,
दे न दुहाई पीठ फेरकर
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर।
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन।
कुछ भी बन, बस कायर मत बन।

1. कवि क्या न बनने को कह रहा है ? (1)

(क) कायर (ख) साहसी
(ग) दुःखी (घ) कातर

2. 'पाहन' किसका प्रतीक है ? (1)

(क) पत्थरों का (ख) रुकावटों का
(ग) मानव का (घ) कायर का

3. 'कातर क्रंदन' करना क्या होता है ? (1)

(क) रोना-पीटना (ख) चीखना-चिल्लाना
(ग) हँसना-खेलना (घ) आगे बढ़ना

4. 'पीठ फेरना' मुहावरे का सटीक अर्थ है– (1)

(क) पीछे हो जाना (ख) युद्ध से भाग निकलना
(ग) आगे बढ़ना (घ) युद्ध करना

5. सबसे अधिक अपावन (अपवित्र) वस्तु किसे कहा गया है ? (1)

(क) प्रतिहिंसा को (ख) हिंसा को
(ग) कायरता को (घ) वीरता को

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

चंचल पग दीपशिखा के धर
गृह, मग, वन में आया वसंत।
सुलगा फाल्गुन का सूनापन
सौंदर्य शिखाओं में अनंत।
सौरभ शीतल की ज्वाला से
फैला उर-उर में मधुर दाह
आया वसंत, भर पृथ्वी पर
स्वर्गिक सुंदरता का प्रवाह।
कलि के पलकों में मिलन स्वप्न
अलि के अंतर में प्रणय गान
लेकर आया, प्रेमी वसंत–
आकुल जड़ चेतन स्नेह-प्राण!

1. इस काव्यांश में किस ऋतु के आगमन की सूचना दी जा रही है ? (1)

(क) वसंत (ख) सर्दी

(ग) वर्षा (घ) गर्मी

2. किस मास का सूनापन सुलग उठा है ? (1)

(क) माघ (ख) फाल्गुन

(ग) चैत्र (घ) वैशाख

3. 'शीतल ज्वाला' कहने में क्या भाव है ? (1)

(क) जलने वाली आग (ख) शीतलता

(ग) ठंडी-ठंडी जलन का अहसास (घ) इनमें से कोई नहीं

4. वसंत पृथ्वी पर क्या लाया ? (1)

(क) शीतलता (ख) जलन

(ग) स्वर्गिक सुंदरता (घ) प्रवाह

5. 'कलि' किसका प्रतीक है ? (1)

(क) प्रेमी का (ख) प्रेमिका का

(ग) अलि का (घ) किसी अन्य का

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) मेरा छोटा भाई हॉस्टल में रहता है।

(ख) जाओ और बाजार से कुछ ले आओ।

(ग) बगीचे में हमें सेब नहीं मिले।

(घ) परिश्रम के बिना धन प्राप्त नहीं होता।

(ङ) साहस अच्छा गुण है।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) सभी लोगों ने वह दृश्य देखा। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) श्रमिकों ने अपना काम समाप्त किया और अपने-अपने घर चले गए।
(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ग) एक पहाड़ी पर जाकर हम जड़ी-बूटी ढूँढ़ने लगे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) कल हुए चुनाव में वह जीत गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) रमेश ने एक किताब खरीदी और उसे पढ़ने लगा। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्रश्न 7. निर्देशानुसार कीजिए– (5 × 1 = 5)

(क) आज पुष्पा ने बहुत अच्छा भोजन बनाया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) मैं अब खड़ा भी नहीं हो सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) नेता द्वारा भाषण दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) छात्रों द्वारा नाटक खेला गया। (वाच्य बताइए)

(ङ) वह काम करते-करते सो जाता है। (वाच्य बताइए)

प्रश्न 8. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए– (5 × 1 = 5)

(क) तुम पवित्र हो गंगा की धारा-सी

(ख) मैया मैं तो चंद्र-खिलौना लैहों।

(ग) कहती हुई उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।
(घ) सोई है मेरी मौन व्यथा।
(ङ) काली घटा का घमंड घटा।

खंड 'ग'

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे जहाँ उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ-साथ वे समाज-सुधार के कामों से भी जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढ़ाया है जिसमें से कई तो बाद में ऊँचे-ऊँचे ओहदों पर पहुँचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक ओर वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।

1. गद्यांश में किसके पिता की ओर संकेत है ? (1)
(क) शीला अग्रवाल के (ख) डॉ. अम्बालाल के
(ग) मन्नू भंडारी के (घ) कॉलेज की प्रिंसिपल के

2. इंदौर में पिता के मान-सम्मान का कारण था _____। (1)
(क) कांग्रेसी होना (ख) समाज-सुधारक होना
(ग) उपदेशक होना (घ) संवेदनशील होना

3. शिक्षा के प्रति पिता के लगाव का उदाहरण है _____। (1)
(क) शिक्षा का उपदेश देना (ख) उनका अध्यापक होना
(ग) अपने घर पर विद्यार्थियों को पढ़ाना (घ) उनके विद्यार्थियों का ऊँचे पद पाना

4. पिता के व्यक्तित्व के परस्पर विरोधी गुण हैं _____। (1)
(क) अहंवादिता और रूढ़िवादिता (ख) उदारता और संकीर्णता
(ग) संपन्नता और निर्धनता (घ) कोमलता और क्रोध

5. दरियादिली का अर्थ है _____। (1)
(क) उदारता (ख) कृपणता
(ग) सहनशीलता (घ) सम्पन्नता

अथवा

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अपढ़ होने का प्रमाण नहीं। अधिक से अधिक इतना ही कहा जा सकता है कि वे संस्कृत न बोल सकती थीं। संस्कृत न बोल सकना न अपढ़ होने का सबूत है और न गँवार होने का। अच्छा तो उत्तररामचरित में ऋषियों की वेदान्तवादिनी पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं ? उनकी संस्कृत क्या कोई गँवारी संस्कृत थी ? भवभूति और कालिदास आदि के नाटक जिस ज़माने के हैं, उस ज़माने में शिक्षितों का समस्त समुदाय संस्कृत ही बोलता था, इसका प्रमाण पहले कोई दे ले, तब प्राकृत बोलने वाली स्त्रियों को अपढ़ बताने का साहस करे। इसका क्या सबूत कि उस ज़माने में बोलचाल की भाषा प्राकृत न थी ? सबूत तो प्राकृत के चलन के ही मिलते हैं। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धों और जैनों के हज़ारों ग्रंथ उसमें क्यों लिखे जाते, और भगवान् शाक्य मुनि तथा उनके चेले प्राकृत ही में क्यों धर्मोपदेश देते ? बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की रचना प्राकृत में किए जाने का एकमात्र कारण यही है कि उस ज़माने में प्राकृत ही सर्वसाधारण की भाषा थी।

1. संस्कृत नाटकों में स्त्रियों के लिए प्राकृत बोलने का विधान था, क्योंकि _____। (1)
(क) वे अपढ़ होती थीं (ख) संस्कृत नहीं बोल सकती थीं
(ग) वे गँवार थीं (घ) उस युग में बोलचाल की भाषा प्राकृत थी

2. लेखक क्या सिद्ध करने की चुनौती देता है ? (1)

(क) कालिदास और भवभूति संस्कृत नाटककार थे।

(ख) कालिदास के युग में सब संस्कृत ही बोलते थे।

(ग) कालिदास के युग में सब प्राकृत ही बोलते थे।

(घ) कालिदास और भवभूति का इतिहास में कोई प्रमाण नहीं है।

3. बौद्धों के त्रिपिटक ग्रंथ की भाषा है _____। (1)

(क) पालि (ख) संस्कृत

(ग) अपभ्रंश (घ) प्राकृत

4. भगवान शाक्य मुनि और उनके शिष्य प्राकृत में ही धर्मोपदेश क्यों देते थे ? (1)

(क) उन्हें संस्कृत का ज्ञान नहीं था। (ख) वे केवल प्राकृत ही जानते थे।

(ग) वे अपढ़ थे। (घ) सर्वसाधारण की भाषा प्राकृत ही थी।

5. 'पत्नियाँ कौन-सी भाषा बोलती थीं ?' वाक्य में 'कौन-सी' शब्द व्याकरण की दृष्टि से है _____। (1)

(क) सर्वनाम (ख) सार्वनामिक विशेषण

(ग) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण (घ) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

प्रश्न 10. द्विवेदी जी ने स्त्री-शिक्षा विरोधी कुतर्कों का खंडन करने के लिए व्यंग्य का सहारा लिया है। ऐसे कुछ अंशों को पाठ से छाँटकर लिखिए तथा उनका व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (4)

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (3 × 2 = 6)

(क) सुषिर-वाद्यों से क्या अभिप्राय है ? शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई होगी ?

(ख) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ?

(ग) मन्नू भंडारी ने स्वतंत्रता आंदोलन में किस प्रकार भाग लिया ? पाठ के आधार पर बताइए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (5 × 1 = 5)

लखन कहा हँसि हमरें जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(क) लक्ष्मण धनुष टूटने के बारे में क्या-क्या तर्क दे रहे हैं ?

(ख) 'केवल मुनि जड़ जानहि मोही' कहकर परशुराम लक्ष्मण को क्या बताना चाहते हैं ?

(ग) अपनी भुजाओं के बल के बारे में परशुराम ने क्या कहा ?

(घ) 'सहसबाहु' कौन था ? उसका उल्लेख क्यों हुआ है ?

(ङ) इस काव्यांश की भाषा और छंद का नाम लिखिए।

अथवा

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण–
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(क) 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है ?
(ख) अनुप्रास अलंकार का एक उदहारण चुनकर लिखिए।
(ग) कविता की एक भाषागत विशेषता बताइए।
(घ) बीती यादों को कवि ने किन शब्दों से चित्रित किया है ?
(ङ) 'क्षण' के लिए प्रयुक्त 'जीवित' विशेषण के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 5 = 10)

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम ने अपने विषय में जो कुछ कहा, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
(ख) 'कन्यादान' कविता में माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लगती है ?
(ग) संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक की मदद करता है ?
(घ) 'छाया मत छूना' कविता में कवि मानव की किन-किन वृत्तियों को जीवन के लिए दूषित मानता है ?
(ङ) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं' इस कथन में किस बात की ओर संकेत है ?

प्रश्न 14. 'आदिवासी युवतियाँ और पहाड़नें कितना कम लेकर समाज को बहुत अधिक लौटा देती हैं'–लेखक के इस कथन पर अपनी ओर से टिप्पणी कीजिए। (मूल्य आधारित प्रश्न) (4)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– (2 × 3 = 6)

(क) जितेन नार्गे में एक कुशल गाइड की कौन-कौन सी विशेषताएँ हैं ?
(ख) दुलारी के चरित्र की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
(ग) हिरोशिमा में क्या घटना घटी थी ? उसका क्या प्रभाव पड़ा ?
(घ) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को प्रकृति के अनंत और विराट स्वरूप को देखकर कैसी अनुभूति हुई ?

खंड 'घ'

प्रश्न 16. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (5)

(क) **महँगाई : एक समस्या**
- महँगाई से तात्पर्य
- दिन-प्रति दिन बढ़ती महँगाई
- नियंत्रण के उपाय

(ख) **साक्षरता अभियान**
- साक्षरता से तात्पर्य
- साक्षरता की आवश्यकता
- अभियान की रूपरेखा

(ग) **इंटरनेट**
- विज्ञान की देन
- इंटरनेट क्या है
- इंटरनेट के उपयोग

प्रश्न 17. आपके एक अध्यापक प्रख्यात कथाकार हैं। आप उनकी रचनाओं को बहुत चाव से पढ़ते हैं। पत्र द्वारा उनसे अनुरोध कीजिए कि वे हाल ही में प्रकाशित अपने उपन्यास की एक प्रति आपको प्रेषित करें। (5)

अथवा

'मदर डेयरी'/ 'अमूल डेयरी' के वाणिज्य-प्रबंधक को पत्र लिखकर अपने मोहल्ले में एक 'मिल्क बूथ' खोलने के लिए अनुरोध कीजिए।